पहली रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन COP31

9–10 नवंबर 2026 | अंताल्या, तुर्किये (Türkiye)



सम्मेलन की पृष्ठभूमि

इस वर्ष COP सम्मेलन से बहुत अधिक उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। हम पहले से ही जलवायु परिवर्तन के गंभीर परिणाम देख रहे हैं। कहीं भीषण सूखा पड़ रहा है, कहीं जंगलों में आग लग रही है, तो कहीं बाढ़ आ रही है। शक्तिशाली अल नीनो (El Niño) की वजह से ये प्राकृतिक आपदाएँ और भी गंभीर हो रही हैं। वहीं, दुनिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव भी इस दिशा में काम करना मुश्किल बना रहे हैं। ऐसे में राजनेताओं और वार्ताकारों पर ठोस परिणाम देने का बहुत दबाव है।

इस वर्ष के सम्मेलन का विषय बहुत ही प्रेरणादायक है:

> सम्मेलन का विषय
>
> **“भविष्य का COP – संकल्पों को कार्यरूप देने वाला COP”**
>
> *COP of the Future – COP of Implementation*

एक लंबे मतभेद के बाद तुर्किये और ऑस्ट्रेलिया ने मिलकर इस सम्मेलन की अध्यक्षता करने और नेतृत्व साझा करने का एक अनोखा निर्णय लिया है। सोमवार को सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर सभी ने मिलकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए तत्काल और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, ताकि वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5°C से नीचे रखा जा सके।

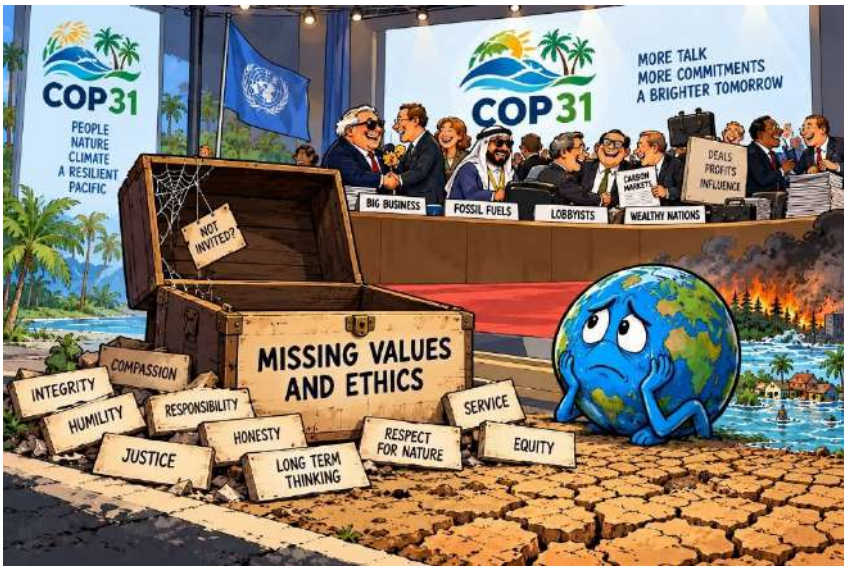

आज यहाँ '**अंताल्या लीडर्स समिट**' शुरू हो चुका है। इस जलवायु सम्मेलन में 100 से अधिक देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्री अपने-अपने देश की ओर से आधिकारिक वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। लगभग 1 लाख प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराया है। सुरक्षा के बहुत कड़े इंतज़ामों के कारण कई बार लोगों को आने-जाने में घंटों तक इंतज़ार करना पड़ रहा है।

COP31 में ब्रह्माकुमारीज़



बुरहान, बिराजिथ, अनेता, स्वप्निल और डोर्कस

हमारा विषय

"जलवायु के प्रति सहनशीलता की शुरुआत हमारे भीतर से होती है"

Climate Resilience Begins Within

इस विषय के अंतर्गत हमारी टीम जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चर्चाओं में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रही है। इसमें बताया जा रहा है कि हमारे विचारों, मूल्यों, जीवनशैली और पृथ्वी ग्रह की वर्तमान स्थिति के बीच गहरा संबंध है।

विभिन्न चर्चाओं, इंटरव्यू, मेडिटेशन के अनुभवों और **प्रदर्शनी बूथ नंबर 1** पर आयोजित गतिविधियों के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ यह संदेश साझा कर रही हैं कि जलवायु परिवर्तन के स्थायी समाधान के लिए केवल तकनीकी और राजनीतिक प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसके लिए मानव चेतना में परिवर्तन लाना भी आवश्यक है।



COP31 के लिए पंजीकरण कराते हुए सिस्टर मॉरीन गुडमैन, अनेता और सोनजा

जैसे-जैसे सम्मेलन में विचार-विमर्श और बातचीत आगे बढ़ रही है, हमें यह याद दिलाया जा रहा है कि ***दुनिया में शांति, सहयोग और चुनौतियों का सामना करने की शक्ति की शुरुआत हमारे अपने भीतर से होती है।***

प्रदर्शनी बूथ नंबर 1

हमारे प्रदर्शनी बूथ नंबर 1 को एक बहुत अच्छी जगह मिली है। सम्मेलन के पहले ही दिन से यह बूथ लोगों के मिलने-जुलने और अपने कार्यों को साझा करने का एक सक्रिय केंद्र बन गया है। यहाँ हम प्रतिनिधियों को शुभकामना कार्ड दे रहे हैं और पुराने परिचितों से फिर से मिल रहे हैं।









ब्रह्माकुमारीज़ टीम: बिराजिथ, शांतनु, डोर्कस, स्वप्निल, अनेता, सोनजा, गोलो और सिस्टर मॉरीन (फ़ोटो: बुरहान)

डेनमार्क की महारानी से मुलाकात



COP31 में डेनमार्क पवेलियन के उद्घाटन के अवसर पर सोनजा की डेनमार्क की महारानी मैरी से संक्षिप्त मुलाकात हुई। इस दौरान सोनजा ने महारानी को एक शुभकामना कार्ड भेंट किया।

ग्रीन ज़ोन कार्यक्रम (Green Zone Event)

इस वर्ष COP31 में ब्रह्माकुमारीज़ का पहला कार्यक्रम **ग्रीन ज़ोन स्थित ज़ीरो वेस्ट हब, स्टेज 1** पर आयोजित किया गया। सिस्टर मॉरीन, अनेता और शांतनु ने "**चेतना, समुदाय और खाद्य संप्रभुता: जलवायु परिवर्तन का सामना करने के तीन मार्ग**" विषय पर अपने विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में इस बात पर चर्चा हुई कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने और उनसे उबरने की क्षमता बढ़ाने के लिए आंतरिक जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता और टिकाऊ खाद्य व्यवस्था कितनी महत्वपूर्ण हैं। इस कार्यक्रम में लगभग 40 लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक संवाद से हुई, जिसके बाद एक फ़िल्म दिखाई गई। इस फ़िल्म में भारत का एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें बताया गया कि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाला पलायन किस तरह स्थानीय समुदायों और उनकी जीवनशैली को प्रभावित कर रहा है।

कार्यक्रम देखें: youtube.com/@ecobrahmakumaris



सिस्टर मॉरीन, अनेता और शांतनु

क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो (Climate Wisdom Studio)

इस वर्ष हम सम्मेलन के अंदर ही इंटरव्यू भी रिकॉर्ड कर रहे हैं, जिन्हें 'क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो' के अंतर्गत प्रस्तुत किया जा रहा है।



स्वीडन के चर्च की पॉलिसी एडवाइज़र मार्गरिटा कोल्टाई का इंटरव्यू लेते हुए गोलो

जलवायु परिवर्तन के लिए युवा नेतृत्व

लगातार चौथे वर्ष हमारे क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो की शुरुआत हुई और इस बार **युवाओं के विचार मुख्य आकर्षण रहे!** शांतनु ने लूसी प्लमर (सोका गक्काई इंटरनेशनल ऑफ़िस फ़ॉर UN अफ़ेयर्स की युवा प्रतिनिधि), सैकत दास (नेट ज़ीरो रणनीतिकार), बिराजिथ और सोनजा के साथ बातचीत की। इस बातचीत में जलवायु परिवर्तन को लेकर युवाओं के विचारों, भविष्य से उनकी उम्मीदों और एक टिकाऊ एवं बेहतर दुनिया बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा हुई।

लाइव कार्यक्रम देखें: youtube.com/@ecobrahmakumaris





मंगलवार, 10 नवंबर

TED काउंटडाउन हाउस में ब्रेकफास्ट कार्यक्रम

अनेता और सोनजा के दिन की शुरुआत सुबह जल्दी अंताल्या स्थित **TED काउंटडाउन हाउस** में आयोजित एक ब्रेकफास्ट कार्यक्रम से हुई। प्रोजेक्ट डैंडेलियन द्वारा केवल आमंत्रित अतिथियों के लिए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में COP के प्रतिनिधियों को एक साथ आने का अवसर मिला। इसमें स्वास्थ्य, महिलाओं और जलवायु परिवर्तन के आपसी संबंधों पर चर्चा की गई। मुख्य सवाल था – इस विषय से जुड़ी जानकारी को वास्तविक कार्यों में कैसे बदला जाए? इस चर्चा में सोनजा को मानसिक स्वास्थ्य के विषय को विशेष रूप से सामने रखने और मेडिटेशन कराने का अवसर मिला।



थॉमस हिर्श के साथ प्रेरणादायी बातचीत



दोपहर में जलवायु एवं विकास सलाहकार तथा रणनीतिकार थॉमस हिर्श के साथ टीम की एक **प्रेरणादायी बातचीत** हुई। इस दौरान इस बात पर विचार किया गया कि ब्रह्माकुमारीज़ COP की विभिन्न गतिविधियों में अपना योगदान किस तरह और बढ़ा सकती हैं, तथा अपने मूल्यों पर आधारित विशेष दृष्टिकोण को विश्व स्तर पर होने वाली जलवायु चर्चाओं में अधिक प्रभावशाली ढंग से कैसे प्रस्तुत कर सकती हैं।

क्लाइमेट विज़डम स्टूडियो – जलवायु परिवर्तन का मानवीय पहलू

“जलवायु परिवर्तन का मानवीय पहलू” (The Human Dimension of Climate Change) विषय पर आधारित बातचीत के लिए स्टूडियो में तीन अतिथियों का स्वागत किया गया। गोलो ने थॉमस हिर्श (क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट एडवाइस के डायरेक्टर), मिसेरेर संस्था की जलवायु एवं ऊर्जा नीति विशेषज्ञ मैडेलीन-अलिसा वॉर्नर और सोनजा के साथ बातचीत की। इस चर्चा में बताया गया कि जलवायु परिवर्तन किस तरह लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। साथ ही, इन चुनौतियों का सामना करने में हमारे जीवन-मूल्यों, मेडिटेशन और प्रार्थना की क्या महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, इस पर भी विचार साझा किए गए।

लाइव कार्यक्रम देखें: youtube.com/@ecobrahmakumaris



बुरहान, सोनजा, गोलो, मैडेलीन-अलिसा वॉर्नर और थॉमस हिर्श

COP से पहले आयोजित कार्यक्रम (Pre-COP Events)

मीडिया ट्रेनिंग

COP सम्मेलन से पहले बिराजिथ और शांतनु ने मीडिया ट्रेनिंग कार्यक्रम में भाग लिया।



COY21 युवा सम्मेलन



अंताल्या में तीन दिन की प्रेरणा, जुड़ाव और जलवायु के लिए प्रयास!

तीन दिनों तक चले इस प्रेरणादायी सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यहाँ ऐसे युवाओं का एक सुंदर समूह बना, जो धरती माँ और एक-दूसरे के प्रति प्रेम और देखभाल की भावना से जुड़े हुए हैं।

लंदन से आए ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधि बिरु और शांतनु ने इस सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने एक विशेष सत्र का संचालन किया, एक अन्य सत्र में वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए और दुनिया भर से आए ऐसे युवाओं से मुलाकात की, जो सकारात्मक बदलाव लाने के लिए समर्पित हैं।

हमसे जुड़ें

ब्रह्माकुमारीज़ की वेबसाइट एवं अन्य सोशल मीडिया लिंक:

वेबसाइट

www.brahmakumaris.org
www.eco.brahmakumaris.org
www.solar.brahmakumaris.com

सोशल मीडिया

facebook.com/bkenvironmentinitiative
twitter.com/EcoBrahmaKumari
instagram.com/ecobrahmakumaris
linkedin.com/company/ecobrahmakumaris